समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(बीएसडब्ल्यू)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य : 2020–2021

पाठ्यक्रम शीर्षक

बीएसडब्ल्यूई-002 : व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बीएसडब्ल्यूई-004 : परिवार जीवन शिक्षा का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख:
जुलाई, 2020 सत्र–मार्च 31,2021
जनवरी, 2021 सत्र–सितम्बर 30,2021

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यूजी कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बीएसडब्ल्यूजी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

बीएसडब्ल्यू प्रथम वर्ष के लिए आपको बीएसडब्ल्यूई 002,बीएसडब्ल्यूई 004 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सायन्तनी गुईन
कार्यक्रम संयोजक
Email: sayantaniguin@ignou.ac.in
Ph -011&29571697

व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परिवार परिवेश में लोगों के साथ समाज कार्य में हस्तक्षेप के तरीकों पर चर्चा करें। 20

अथवा

क्या भारत में वैयक्तिक कार्य एक महत्वपूर्ण विधि है? टिप्पणी करें । 20

2) समूहों को परिभाषित करें। विभिन्न प्रकार के समूहों को उजागर करें । 20

अथवा

स्कूल समाज कार्य अभ्यास के मॉडल के बारे में बताएं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) 'व्यवसाय और उद्योग में समाज कार्य का अभ्यास बाधाओं और समस्याओं में इसके हिस्से के बिना नहीं है' व्याख्या करें। 10

ख) अपने स्वयं के शब्दों में आर्थिक विकास और सामाजिक विकास के बीच संबंध के बारे में लिखें। 10

ग) समूह गठन चरणों में समूह कार्यकर्ता की भूमिका क्या है? स्पष्ट करें । 10

घ) 'सामाजिक समस्याएं समाज की स्थिरता के लिए खतरा हैं'। व्याख्या करें । 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी और एड्स को संबोधित करने में स्वैच्छिक संगठन की क्या भूमिका है? 5

ख) युवा अशांति के कारण आंदोलन के विकास की प्रक्रिया के बारे में लिखें। 5

ग) सामाजिक रक्षा दृष्टिकोण की विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

घ) ' प्रवसन' को परिभाषित करें। प्रवसन पर एक छोटा नोट लिखें। 5

ङ) क्या भारत के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था अच्छी है। अपने जवाब का औचित्य साबित करें। 5

च) सामाजिक नियोजन के लिए कोई दो दृष्टिकोण दें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामाजिक नीति 4

ख) पुनर्वास 4

ग) अल्पसंख्यक 4

घ) FIR 4

ङ) मानव विकास 4

च) लोक अदालत 4

छ) पूर्व–विवाह परामर्श 4

ज) प्रत्युत्तर–अंतरण (counter transference) 4

परिवार जीवन शिक्षा का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 004
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारतीय संदर्भ में पारिवारिक जीवन की अवधारणा पर चर्चा करें। 20

अथवा

व्यक्तित्व विकास के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत पर चर्चा करें। 20

2) किशोरावस्था के विकासात्मक पहलुओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

तीन प्रकार के पारिवारिक पैटर्न –बड़े संयुक्त परिवार, एकल परिवार और मूल रूप (stem) या विस्तारित परिवार का उनके फायदे और नुकसान के साथ वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) घर की भूमिका अपेक्षाओं (role expectations) को पूरा करने में कठिनाइयों पर चर्चा करें। 10

ख) व्यक्तित्व के निर्माण और उसके विकास के लिए जिम्मेदार कारकों की व्याख्या करें। 10

ग) यौन स्वास्थ्य शिक्षा के पीछे व्यापक और विशिष्ट उद्देश्यों को उजागर करें। 10

घ) परिवार, रिश्तेदारी और शादी के बीच के अंतर्संबंध पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) मूल्य गठन की प्रक्रिया में परिवार की भूमिका की चर्चा करें। 5

ख) परिवार जीवन शिक्षा के लाभों की सूची बनाएं। 5

ग) युवा की अवधारणा और अर्थ बताएं। 5

घ) विवाह के किसी भी दो रूपों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ङ) भूमिका संघर्ष के कारण क्या हैं? 5

च) एक महामारी के संदर्भ में प्रवास की अवधारणा पर संक्षिप्त चर्चा करें । 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) परिवार और विवाह की सामाजिक संस्था 4

ख) बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन, 1989 4

ग) मातृत्व, पितृत्व और पालन–पोषण 4

घ) परिवार जीवन शिक्षा 4

ङ) मास्लो की जरूरत पदानुक्रम सिद्धांत 4

च) पारिवारिक जीवन शिक्षा में व्यक्ति, परिवार और समुदाय की भूमिका 4

छ) यौन स्वास्थ्य शिक्षा की शुरूआत के पीछे तर्क 4

ज) यौन स्वास्थ्य शिक्षा में घर की भूमिका 4